ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४३
दिनांक– मंगलवार, ०६ जून, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 40.5 एवं 22.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 64 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 27 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.1 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 7.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 11.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.2 एवं दोपहर में 43.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 जून, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 जून, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पिछले कुछ दिनों से उत्तर बिहार के अनेक जिलों में हीट बेव के साथ प्रचंड गर्मी की स्थिति बनी हुई है। यह स्थिति आगे की अवधि में भी बरकरार रह सकती है, जिससे अभी राहत मिलने की खास सम्भावना नहीं है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 40–42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 8 से 11 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

समसामयिक सुझाव

- जिन किसान भाई के पास सिचाई की उचित व्यस्था है वैसे किसान धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु कर सकते है। 10 जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा,स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम आदि लम्बी अवधि वाले धान की अनुशंसित किस्में है। 10 से 25 जून तक मध्यम अवधि वाले धान का विचड़ा बोने के लिए अनुकूल समय है।
- खरीफ मक्का की अनुशंसित किस्में जैसे सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाष का व्यवहार करें। प्रति किग्रा0 बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बीज दर 20 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई पूर्व खेत में प्रर्याप्त नमी की जाँच कर लें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्राम यूरिया, 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरूप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।
- खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। छोटी–छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन0–53, एग्रीफाउण्ड र्डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- अगर खेत में पर्याप्त पानी नहीं है, तो उन्हें हर 3–5 दिनों में पानी दें। किसानों भाई को सब्जियों को ज्यादा सूखने से बचाने के लिए खेत में नमी बनाये रखने की जरूरत है। नेत्रजन (लगभग 25 ग्राम) की शेष बची मात्रा का आधा भाग उपरिवेशन के रुप में पौध से एक फीट की गोलाई में प्रयोग करें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा अदरक के लिए 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30–35 ग्राम जिसमें 3 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30X20 से0मी0 रखे। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं निकाई–गुड़ाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच0एस0 (गलघोंटू) से बचाव के लिए टीके लगावें।

आज का अधिकतम तापमानः 41.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 23.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)